Vol 6 Issue 6 Dec 2016 ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Dr. T. Manichander

International Advisory Board

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

.....More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.org

GRT Golden Research Thoughts

ISSN: 2231-5063 Impact Factor : 4.6052(UIF) Volume - 6 | Issue - 6 | December - 2016

फेसबुक उपयोगकर्ता के दायित्व और सीमाएं

धरवेश कठेरिया[1] , निरंजन कुमार[2] , नीरज कुमार सिंह[3] , प्रणव मिश्र[4] , पदमा वर्मा[5] , अविनाश त्रिपाठी[6]

[1]सहायक प्रोफेसर, जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र।

[2]पीएच.डी. शोधार्थी, जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र।

[3]पूर्व शोध सहायक (परियोजना– आईसीएसएसआर), जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र।

[4]पीएच.डी. शोधार्थी, जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र।

[5,6]एम.फिल. शोधार्थी, जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र।

सारांश:

फेसबुक उपयोग करने वाले ज्यादातर उपयोगकर्ता फेसबुक के सामान्य नियम व शर्तों से परिचित हैं जिससे उनको काम करने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता है। इससे साफ जाहिर होता है कि फेसबुक एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से हम जानकारी बढ़ाने के साथ–साथ अपनी व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को दूसरों के सामने परोस रहे हैं। व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के संदर्भ में यह भी देखने में आया है कि उपयोगकर्ता अपने मनमाने और भ्रमित विचारों को भी प्रचारित–प्रसारित करने और उसपर मित्रों की प्रतिक्रिया लेने का प्रयास करते रहते हैं।

फेसबुक सामाजिक मुद्दों पर जनमत बनाने में सक्षम है लेकिन आंकड़े यह दर्शाते हैं कि फेसबुक सामाजिक मुद्दों पर जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा नहीं करता है। यह केवल इसे कुछ हद तक राय बनाने की भूमिका तक मानते हैं। वर्तमान समय में फेसबुक पर ज्यादातर सूचनाओं का आदान–प्रदान किया जा रहा है जिससे सूचनाओं में पारदर्शिता आ रही है। फेसबुक ने वास्तव में भौगोलिक दूरियों को कम किया है। इसके बहुत से फीचस ऐसे हैं कि कोई भी इसका दीवाना आसानी से बन सकता है फिर भी फेसबुक अपने फीचर्स को समय–समय पर अपडेट करता रहता है। कभी टाइमलाइन, तो कभी वीडियोकांफ्रेंशिंग और कभी–कभी आपके पुराने पोस्ट की आपको याद दिला कर आपके सच्चे साथी की भूमिका भी अदा करता है। यही वजह है कि फेसबुक के बाजार में आने के बाद से बहुत से पुराने सोशल नेटवर्किंग साइट्स बंद हो गए और जो नए आए वो भी फेसबुक के सामने नहीं टिक पाए।

शब्द–कुंजी: हिंसात्मक, वीडियोकांफ्रेंशिंग, विश्वसनीयता, सशक्तिकरण, सूचना, वर्चूअल, मनोविज्ञान।

शोध उपकल्पना:

- फेसबुक विचारों के आदान–प्रदान का सबसे सशक्त माध्यम है।
- फेसबुक सामाजिक सोच को परिवर्तित करने में सहायक है।
- फेसबुक सामाजिक मुद्दों पर जनमत निर्माण में मददगार साबित होता है।
- फेसबुक विद्यार्थियों को किताबों से दूर कर रहा है।

अध्ययन के उद्देश्य:

- फेसबुक विचारों के आदान–प्रदान में सहायक है का अध्ययन करना।
- फेसबुक सामाजिक मुद्दों पर जनमत निर्माण करने में सहायक है का अध्ययन।
- फेसबुक पर सूचना संचरण के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव का अध्ययन करना।
- दैनिक जीवन में फेसबुक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है का आकलन।

अध्ययन की सीमाएं:

अध्ययन को स्वरूप देने के लिए शोध विषय– फेसबुक उपयोगकर्ता के दायित्व और सीमाएं पुरुष उपयोगकर्ता के विशेष संदर्भ में के अध्ययन में वर्धा शहर में स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा से जुड़े देश के अलग–अलग प्रांतों से अध्ययनरत छात्रों को शामिल किया गया है। इसमें मुख्य रूप से महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, दिल्ली, बिहार, पश्चिम बंगाल, और उत्तर भारत के अनेक शहरों से आए अध्ययनरत छात्रों के मतों को आधार बनाया गया है।

शोध प्रविधि:

अंतर्वस्तु विश्लेषण– प्रस्तुत शोध में आंकड़ों, तथ्यों सहित विषयवस्तु से संबंधित अनेक तथ्यों का उपयोग आवश्यकतानुसार किया गया है। अंतर्वस्तु विश्लेषण के माध्यम से विषयवस्तु से संबंधित छिपे हुए गुढ़ रहस्यों को खोजने का प्रयास किया गया है।

षोध उपकरण:

प्रस्तुत शोध– फेसबुक उपयोगकर्ता के दायित्व और सीमाएं के अध्ययन हेतु प्रश्नावली और अनुसूची (अनुसूची–खास तौर से भाषाई विविधता के कारण प्रश्नावली भराने में हुई परेशानी को देखते हुए शोध तथ्य संकलन हेतु अनुसूची का भी प्रयोग किया गया। क्योंकि अध्ययन में अनेक ऐसे प्रांतों के प्रतिभागियों को शामिल किया गया है जो कि हिंदी समझने में असहज महसूस करते हैं।) को तथ्य संकलन हेतु भरवाया गया है। कुछ फेसबुक यूजर से बातचीत के माध्यम से उनके मनोविज्ञान और उनमें हुए बदलाव को भी समझने का प्रयास किया गया है।

साहित्य पुनरावलोकन:

अध्ययन में फेसबुक यूजर्स, फेसबुक का उपयोग कैसे और किन दायित्वों के साथ करता हैं और उपयोग की सीमाएं क्या निर्धारित की हैं? फेसबुक से जुड़े हुए कुछ महत्वपूर्ण पूर्व अध्ययनों का अध्ययन किया गया है। अध्ययन में प्राप्त तथ्यों को शोध का हिस्सा बनाया गया है। ऐसे पूर्व अध्ययनों का विवरण सहायक संदर्भ सूची के रूप में देखा जा सकता है।

प्रस्तावना:

सोशल नेटवर्किंग साइट आज लोगों से जुड़ने, उनके विचारों को बिना किसी रोक–टोक के दुनिया

के सामने रखने का एक अनोखा मंच बन चुका है। आज युवाओं के बीच इसकी लोकप्रियता चरम पर है। युवाओं के साथ–साथ टिन–एजर्स, कॉर्पोरेट जगत की नामी हस्तियों में भी इसकी लोकप्रियता कुछ कम नहीं है। अब तो शायद सोशल नेटवर्किंग साइट्स के बगैर इंटरनेट की कल्पना ही बेईमानी सी प्रतीत होती है। फेसबुक, ट्विटर, लिंक्ड–इन जैसी सोशल नेटवर्किंग साइट आज काफी लोकप्रिय है। फेसबुक की बात करें तो अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा यूजर भारत में हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स एक ऐसा मंच है जिसके द्वारा हम अपने विचारों का आदान–प्रदान कर सकते हैं। किसी भी राजनैतिक, सामाजिक या अन्य किसी मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं। अपने खास अवसरों पर दूर बैठे दोस्तों से फोटो और वीडियो शेयर कर सकते हैं। सामाजिक और राजनैतिक गतिविधियों के प्रचार–प्रसार में अब तक सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज अधिकांश इंटरनेट यूजर सोशल नेटवर्किंग से जुड़े हुए हैं। सोशल नेटवर्किंग उनके जीवन का एक अहम हिस्सा बन चुका है या यूं कहा जाए कि वे इसके आदी हो चुके हैं।

फेसबुक सोशल नेटवर्किंग साइट्स में सबसे लोकप्रिय और दुनिया भर में सबसे ज्यादा यूजर्स के साथ नंबर एक पर है। हाल के आंकड़ों को अगर देखें तो पता चलता है कि वर्तमान में एक अरब से ज्यादा यूजर्स हैं। आज से करीब 11 वर्ष पहले हॉर्वर्ड यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स मार्क जकरबर्ग, एडूअर्डो सर्वेरिन, एंड्रू मैकूलम, डस्टिन मॉस्कोविज और क्रिस ह्यूज ने हॉस्टल रूम में मिलकर फेसबुक की संकल्पना रखी। पहले इसके उपयोग को सिर्फ अपने हॉर्वर्ड के मित्रों तक ही सीमित रखा गया लेकिन कुछ समय बाद इसकी लोकप्रियता को देखते हुए इसका विस्तार बोस्टन और अन्य विश्वविद्यालयों में भी किया गया।

अमेरिकन विश्वविद्यालयों में इसका प्रचलित नाम 'द फेसबुक' रखा गया। अगस्त 2005 में इसका नाम 'द फेसबुक' से फेसबुक कर दिया गया। इसमें सदस्य बनने के लिए कम से कम 13 वर्ष का होना जरूरी है। सदस्य बनने के बाद आप इसमें अपनी एक प्रोफाइल बना सकते हैं, इस पर पहले से उपलब्ध अन्य सदस्यों को भी अपनी मित्र की सूची में जोड़ सकते हैं। जहां एक तरफ यह नए लोगों से जुड़ने का साधन है वहीं दूसरी तरफ अपने पुराने दोस्तों को ढूंढने का जरिया भी है। इसमें आप अपने स्टेट्स को अपडेट कर सकते हैं साथ ही साथ अपने मित्रों के स्टेट्स अपडेट्स को भी देख सकते हैं। जब भी कोई मित्र अपना स्टेट्स अपडेट करेगा तो वह आपके होम पेज पर दिखेगा। जिस पर आप लाइक या कमेंट कर सकते हैं। प्रोफाइल के साथ–साथ इस पर ग्रुप और अपने लिए पेज भी बना सकते हैं। जिस पर आप अपने विचार, फोटो और वीडियो भी डाल सकते हैं जिस पर लोग अपनी प्रतिक्रिया देते हैं और शुरू होता है एक दूसरे के विचारों को जानने और समझने का सिलसिला। यहाँ आप सीधे तौर पर लोगों से इंटरेक्ट होते हैं चाहे वह कोई भी हो। फेसबुक पर उपलब्ध किसी भी व्यक्ति को आप इसके सर्च ऑप्शन से ढूंढ सकते हैं बशर्ते उसने अपने आप को हाइड (फेसबुक पर अपने प्रोफाइल को गुप्त रखने का एक ऑप्शन) न किया हो।

Original layout and name of The facebook, 2004

Mark Zuckerberg, co-creator of Facebook in his Harvard dorm room,

सोशल मीडिया नई जानकारी सीखने में मदद कर रहा है। सोशल मीडिया पर टेक्स्ट, मैसेज के अलावा, फोटो, वीडियो का बढ़ता चलन इस बात को दर्शाता है कि देश में तकनीक पर कितना काम हो रहा है। इस समय लगभग 400 करोड़ वीडियो फेसबुक पर हैं जिसमें से 75 फीसदी मोबाइल पर देखे जाते हैं। भारत में इस नए बिजनस से रोजगार के मौके बढ़ रहे हैं। एसएमबी यूजर्स में 70 फीसदी की सालाना बढ़त देखी जा रही है और फेसबुक पर टेक के जरिए आंत्रप्रेन्योर कारोबार बढ़ा है। लोगों का नए तरीके के वीडियो के जरिए खुद को पेश करना अच्छा इनोवेशन है। फेसबुक पर अब विभिन्न तरह की जानकारियां साझा की जाने लगी हैं जिसमें मार्केटिंग, ब्रांड–प्रमोशन, नौकरी के विज्ञापन, डेटिंग और मैरिज प्रपोजल के साथ–साथ कई तरह के प्रचार–प्रसार अभियान शामिल हैं। दुनियाभर के लोगों में फेसबुक का क्रेज है। लोग फेसबुक के इतने आदी हो चुके हैं कि इस पर अपडेट और चैटिंग में घंटों तल्लीन रहते हैं। यही वजह है कि अब कई दफ्तरों में इसके लिए पाबंदी या विशेष नियम लागू किए जा रहे हैं।

फेसबुक की दीवानगी यहीं नहीं रुकती बल्कि इसके आगे भी इसकी पहुंच है। आज सेनाओं का युद्ध केवल जमीन पर हथियारों से नहीं बल्कि फेसबुक पर लोगों के लाइक के साथ भी जीत–हार तय हो रही है। सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक पर भारतीय सेना शिखर पर है। अभी हाल की खबरों की माने तो कुछ ही महीने के अंदर यह दूसरा मौका है जब भारतीय सेना का फेसबुक पन्ना शीर्ष पर पहुंचा। सीआईए, एफबीआई, एनएएसए और यहां तक की पाकिस्तानी सेना सहित कई विदेशी सरकारी प्रतिष्ठानों को पीछे छोड़ते हुए भारतीय सेना एक बार फिर लोकप्रियता की सूची में सबसे उपर है। यह दूसरी बार है जब फेसबुक पर 'पीपल टॉकिंग अबाउट दैट' (पीटीएटी) रैंकिंग में भारतीय सेना का फेसबुक पेज सरकारी श्रेणी में एक नम्बर पर है। सेना के सोशल मीडिया के लिए यह बड़ी बात है। इससे यह भी साबित होता है कि सेनाओं को आगे बढ़ने की चाह अब मैदान पर ही नहीं बल्कि सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी है। दरअसल पीटीएटी की रैंकिंग किसी खास पेज पर या उसके बारे में बात करने वालों की संख्या के विश्लेषण पर आधारित होती है।

दिलचस्प बात है कि फेसबुक पर भारत और पाकिस्तान के बीच आगे निकलने की होड़ जारी है और दोनों ने जिओ लोकेशन के माध्यम से एक दूसरे के एकाउंट को ब्लॉक कर रखा है। इसका मतलब यह है कि पाकिस्तान का कोई व्यक्ति भारतीय सेना के फेसबुक पेज को नहीं खोल सकता और न ही भारत का कोई व्यक्ति पाकिस्तानी सेना के फेसबुक पेज पर पहुंच सकता है। भारतीय सेना की यह उपलब्धि केवल फेसबुक पेज पर ही नहीं है, बल्कि सेना की आधिकारिक वेबसाइट को भी हर सप्ताह कम से कम पच्चीस लाख हिट मिलते हैं। सेना ने फेसबुक पर अपना खाता 1 जून, 2013 को खोला था, तब से उसे उन्नतीस लाख लोग लाइक कर चुके हैं। भारत में 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम है और सोशल नेटवर्किंगं साइट पर सबसे ज्यादा युवा ही

सक्रिय हैं।

प्रभाव

आज फेसबुक की लोकप्रियता से कौन नहीं परिचित है। 13 वर्ष की न्यूनतम उम्र के बावजूद 10 वर्ष तक के टिनएजर्स भी डेट ऑफ बर्थ को घटा कर अपना एकांउट चलाते हैं इसी बात से आप इसकी दीवानगी का अंदाजा लगा सकते हैं। हाल के दिनों में आम लोगों के बीच स्मार्ट फोन के इस्तेमाल का चलन तेजी से बढ़ा है। इसका एक मात्र कारण नजर आता है सोशल नेटवर्किंग साइट्स। इससे फायदा यह हुआ कि अलग–अलग समूह के लोग सोशल नेटवर्किंग साइट के इस्तेमाल के जरिए एक मंच पर आ गए जो दो लोग या समूह आपस में कभी मिले नहीं, वे भी सोशल नेटवर्किंग साइट के जरिए एक हो रहे हैं। दिल्ली की एक छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार के बाद जिस तरह लोग दिल्ली की सड़कों पर जुटे उसमें सोशल नेटवर्किंग साइट्स की भूमिका बेहद अहम रही। सोशल नेटवर्किंग साइट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। फेसबुक पर लोग अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी चीजों को काफी ज्यादा शेयर कर रहे हैं। इससे कई बार उनके लिए मुश्किलें बढ़ रहीं हैं। अभी बीबीसी पर आई हाल की खबर को देखें तो एक युवती को उसके नियोक्ता ने प्रमोशन देने से इसलिए इनकार कर दिया क्योंकि उसने सोशल नेटवर्किंग साइट पर कुछ ऐसी तस्वीरें डाल रखीं थीं जिनमें वह अपने विश्वविद्यालय के दिनों में अपने दोस्तों के साथ शराब पी रही थीं।

आज युवाओं में कनेक्टिविटी का दायरा काफी बढ़ गया है। अब वे खुद को कॉलेज, दोस्ती और पढ़ाई तक ही सीमित नहीं रखते बल्कि यूथ फ्रेंडली चीजों को अपनी लाइफ से जल्दी जोड़ लेते हैं। यही कारण है कि आज इंटरनेट उनकी लाइफ का हिस्सा बन गया है, लेकिन उनके इस लगाव का खामियाजा कभी न कभी दूसरों को भी भुगतना पड़ता है। कभी छोटी–छोटी बात इंटरनेट पर शेयर कर वे दूसरों की प्राइवेसी को खत्म कर देते हैं तो कभी दोस्ती, बुराई और अच्छाई को दूसरों से शेयर करते हैं। युवाओं के बीच फेसबुक का क्रेज इस कदर हावी है कि कॉलेज कैम्पस हो या फिर घर, वे हर वक्त इस पर ही चर्चा करते हैं। इतना ही नहीं, लैपटॉप और मोबाइल के माध्यम से हर वक्त ऑनलाइन ही मिलते हैं। इसका सीधा असर पर्सनल लाइफ पर पड़ रहा है। वे छोटी–छोटी चीजों को तत्काल फेसबुक पर शेयर करते हैं तो कभी अपनी पर्सनल व्यू या कमेंट करने से भी पीछे नहीं रहते। फेसबुक में युवाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। कभी–कभी तो न शेयर करने वाली फोटो और वीडियो भी फेसबुक पर शेयर कर उसका लुफ्त उठाते हैं। जो उन्हें बड़ी परेशानी में भी डाल देता है इंटरनेट की दुनिया ने भले ही लोगों की सोच का दायरा बड़ा दिया है, लेकिन जहां तक सोशल नेटवर्किंग की बात है, इससे युवा काफी प्रभावित हुए हैं।

आज फेसबुक की वजह से लोग घंटों अपना कीमती समय इस पर चैटिंग कर बर्बाद कर रहे हैं। जिसकी वजह से उनमें एकांकी प्रवृत्ति देखने को मिल रही है जो काफी खतरनाक है। कई शोध ये बताते हैं कि इसकी वजह से लोगों में अधीरता और चिड़चिड़ेपन की आदत बढ़ी है। जिससे लोगों का भौगोलिक सहयोग और व्यवहार काफी बिगड़ गया है। लोग अपनी बेहद निजी जानकारी भी इस पर शेयर करने से नहीं चूकते। जिससे अपराधी किसी के खिलाफ उनकी शेयर की गई जानकारी का गलत इस्तेमाल कर सकता है यानि अब खतरा प्राइवेसी भर ही नहीं रहा। इन सब के बावजूद भी लोगों में फेसबुक इस्तेमाल करने की चाहत बिल्कुल भी कम नहीं हो रही है।

तथ्य विश्लेषण एवं आंकड़ों का प्रस्तुतीकरणः

प्रस्तुत अध्ययन– 'फेसबुक का उपयोग, दायित्व और सीमाएं' (पुरुष उपयोगकर्ता के विशेष संदर्भ में) विषय को स्वरूप प्रदान करने हेतु प्रश्नावली और अनुसूची के माध्यम से तथ्यों का संकलन किया गया है। शोध में सौ से अधिक प्रश्नावली और अनुसूची के माध्यम से प्राप्त तथ्यों में से शोध हेतु सौ मतों के विश्लेषण को आधार बनाया गया है। प्रस्तुत शोध प्रश्नावली में कुल 15 प्रश्नों को रखा गया है। बहुविकल्पीय प्रश्नों के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों को शोध में शामिल किया गया है। प्रश्नावली में विकल्प के रूप में हां, नहीं, थोड़ा–बहुत और पता नहीं के अलावा कई प्रश्नों में शोध विषय से संबंधित कई अन्य विकल्प भी दिए गए हैं। प्रश्नावली में अंतिम प्रश्न खुला रखा गया है। जिसमें उत्तरदाताओं से शोध विषय से संबंधित विचार मांगे गए हैं। कुछ ऐसे ही प्रश्न इस प्रश्नावली में रखे गए हैं जो उत्तरदाताओं की रुचि को बढ़ाने का काम करेंगे। विश्लेषण में कुछ महत्वपूर्ण विचार और सुझावों को भी शामिल किया गया है। प्रस्तुत शोध के कुछ महत्वपूर्ण एवं उपयोगी तथ्यों का चित्रमय प्रस्तुतीकरण भी किया गया है जो इस प्रकार है–

प्रश्न.1. आप फेसबुक का इस्तेमाल कितने वर्षों से कर रहे हैं? के अन्तर्गत विभिन्न मत प्राप्त हुए हैं। जिसमें 1 वर्ष से कम 03, 1 वर्ष तक 03, 2 वर्ष 13, 3 वर्ष 15, 4 वर्ष 11, 5 वर्ष 16 और 5 वर्ष से अधिक में 39 प्रतिशत आंकड़े प्राप्त हुए। संबंधित आंकड़ों के आधार पर 5 वर्ष से अधिक फेसबुक उपयोगकर्ताओं की संख्या सबसे अधिक है। फेसबुक के महत्व को हम इस तथ्य से समझ सकते हैं।

Volume - 6 | Issue - 6 | December - 2016

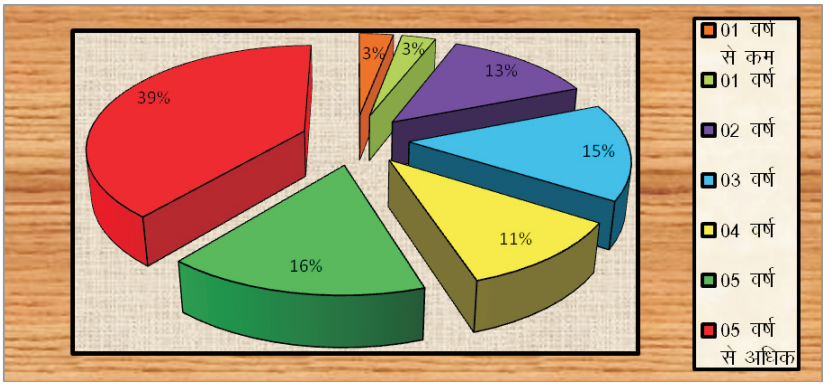

प्रश्न.2. एक दिन में आप फेसबुक पर कितना समय व्यतीत करते हैं? के संदर्भ में 1 घंटा से कम 52, 1 घंटा 14, 2 घंटा 17, 3 घंटा 06, 4 घंटा 2, 5 घंटा 02, 5 घंटा से अधिक 07 प्रतिशत, आंकड़े प्राप्त होते हैं। मतों का प्रतिशत फेसबुक के महत्व को व्याख्यायित करता है। जहां एक तरफ एक घंटे से कम उपयोगकर्ताओं की संख्या 52 प्रतिशत है तों वहीं 5 घंटे से अधिक उपयोगकर्ताओं की संख्या 07 प्रतिशत है। 52 प्रतिशत की उपेक्षा 07 प्रतिशत अधिक प्रभावशाली और फेसबुक के भविष्य में उपयोग को दर्शाते हैं कि किस तरह आनेवाले समय में फेसबुक का उपयोग किस तेजी से बढ़ सकता है और किस तेजी से बढ़ने की संभावनाएं है। अन्य प्राप्त आंकड़े 14, 17, 06, 02 और 02 प्रतिशत आंकड़े भी जिस अनुपात में नजर आते हैं उसके आधार पर भी फेसबुक के उज्ज्वल भविष्य को देखा जा सकता है।

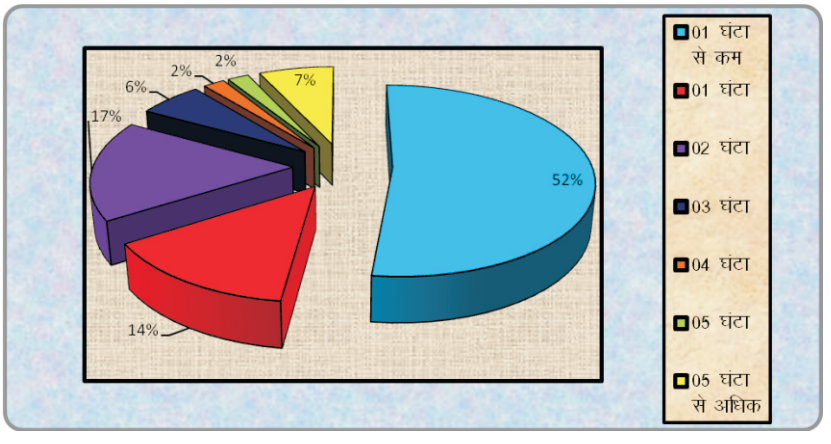

प्रश्न.3. क्या आप फेसबुक के नियम व शर्तों से परिचित हैं? उक्त प्रश्न के संदर्भ में विपरीत आंकड़े प्राप्त होते हैं। हां के अन्तर्गत 40, नहीं के अन्तर्गत 14, थोड़ा–बहुत के अन्तर्गत 45 और पता नहीं के अन्तर्गत भी 01 प्रतिशत मत प्राप्त होते हैं। फेसबुक के संबंध में थोड़ा–बहुत के अन्तर्गत प्राप्त 45 प्रतिशत आंकड़े यह दर्शाते हैं कि उपयोगकर्ता नियम व शर्तों से बंधे नहीं हैं। उन्हें तो फेसबुक के माध्यम से केवल सूचनाओं के आदान–प्रदान की प्रक्रिया से मतलब है।

प्रश्न.4. आप फेसबुक का उपयोग करते हैं? उक्त प्रश्न के संदर्भ में फेसबुक का उपयोग सबसे अधिक 31 प्रतिशत जानकारी बढ़ाने के लिए, 29 प्रतिशत व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के लिए, 22 प्रतिशत सामाजिक सरोकारों के लिए, 15 प्रतिशत समय बिताने के लिए, 03 प्रतिशत अधिक से अधिक मित्र बनाने के लिए जबकि अंतिम विकल्प के रूप में भ्रष्टाचार मिटाने के लिए विकल्प में कोई मत प्राप्त नहीं हुआ है। 29 और 31 प्रतिशत मत व्यक्तिगत अभिव्यक्ति और जानकारी बढ़ाने से संबंधित हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि फेसबुक एक ऐसा माध्यम हमारे बीच उपस्थित है जिसके माध्यम से हम जानकारी बढ़ाने के साथ–साथ अपनी व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को परोस रहे हैं। व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के संदर्भ में यह भी देखने में आया है कि उपयोगकर्ता अपने मनमाने और भ्रमित विचारों को प्रसारित–प्रचारित करने और उसपर मित्रों की मनचाही प्रतिक्रिया लेने का प्रयास करते रहते हैं। इस प्रक्रिया में वे लगातार कोशिशें करते रहते हैं।

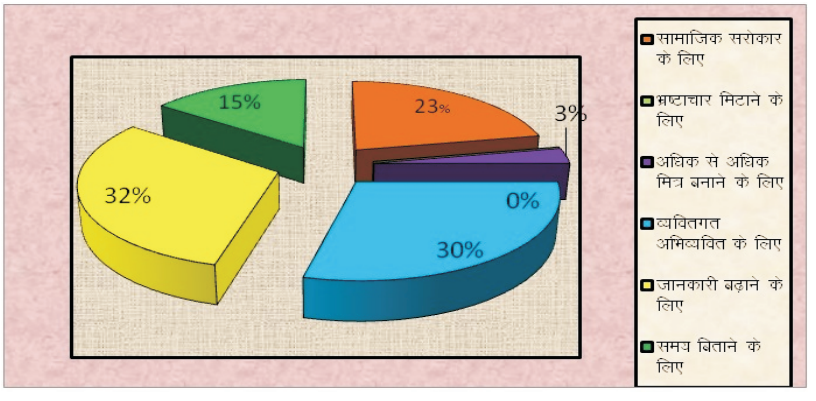

प्रश्न.5. क्या फेसबुक सामाजिक मुद्दों पर राय/जनमत बनाने में सक्षम है? सामाजिक मुद्दों के संदर्भ में प्राप्त मत हां 49 प्रतिशत, नहीं 10, थोड़ा–बहुत 39 और पता नहीं 03 प्रतिशत का मत यह साबित करता है कि सामाजिक मुद्दों पर जनमत बनाने में सक्षम है लेकिन थोड़ा–बहुत के अन्तर्गत 39 प्रतिशत आंकड़े यह दर्शाते हैं कि फेसबुक सामाजिक मुद्दों पर जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा नहीं करता है। वे केवल इसे कुछ हद तक राय बनने की भूमिका तक मानते हैं।

प्रश्न.6. आप फेसबुक का उपयोग क्यों करते हैं? कृपया क्रम (1,2,3,4) बताएं– प्राप्त 35 प्रतिशत आंकड़े फेसबुक की उपयोगिता को सूचना प्राप्त और विचारों के आदान–प्रदान करने के लिए उपयोगी मानते हैं जबकि मित्रों से चैट करने के लिए केवल 12 प्रतिशत आंकड़े ही प्राप्त होते हैं और 18 प्रतिशत आंकडे जनसंपर्क बढ़ाने के लिए फेसबुक की उपयोगिता को दर्शाते हैं। फेसबुक के संदर्भ में आरंभिक समय की अवधारणा 'फेसबुक' का उपयोग चैटिंग के लिए किया जाता है। असफल नजर आती है। आज का युवा कैरियर के प्रति सजग है। वह संबंधों में संतुलन की बात करता है और फेसबुक जैसे तकनीकी माध्यम का उपयोग अपनी प्रतिभा, महत्व और उपयोगिता को विकसित करने और महत्व को बढ़ाने में उपयोग कर रहा है। यह 21वीं सदी की तकनीक का विकसित रूप है।

प्रश्न.7. क्या फेसबुक ने विचारों के आदान–प्रदान में क्रांति लाने का काम किया है? के संदर्भ में सबसे ज्यादा मत हां को 55 प्रतिशत मिले हैं वहीं सबसे कम नहीं को 06 प्रतिशत मिले हैं। इससे यह साबित होता है कि फेसबुक ने विचारों के आदान–प्रदान में क्रांति लाने का काम किया है। जबकि थोड़ा–बहुत को 37 प्रतिशत और पता नहीं में 02 प्रतिशत आंकड़े प्राप्त हुए हैं।

प्रश्न.8. क्या फेसबुक आपको सामाजिक मुद्दों से अवगत कराता है? उक्त प्रश्न में हां के पक्ष में सबसे ज्यादा 56 प्रतिशत मिले हैं वहीं नहीं के पक्ष में 03 प्रतिशत मत मिले हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो इससे साफ होता है कि फेसबुक सामाजिक मुद्दों से अवगत कराता है। जबकि थोड़ा–बहुत के पक्ष में भी 38 प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं वहीं पता नहीं के पक्ष में कोई मत नहीं है।

प्रश्न.9. क्या आपकी नजर में सामाजिक परिवर्तन के लिए फेसबुक का योगदान महत्वपूर्ण है? 53 प्रतिशत आंकड़े फेसबुक को सामाजिक परिवर्तन के पक्ष में मानते हैं जबकि 13 प्रतिशत नहीं और थोड़ा–बहुत के अन्तर्गत 34 प्रतिशत आंकड़े प्राप्त होते हैं। पता नहीं के अन्तर्गत प्रतिभागियों ने किसी प्रकार का मत नहीं दिया है। फेसबुक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में सशक्त भूमिका अदा कर रहा है। प्रश्न.10. क्या फेसबुक आपको किताबों से दूर करता जा रहा है? उक्त संदर्भ में बनी हुई भ्रांतियां सामान्यतः दूर होती नजर आ रही है। तकनीकी और फेसबुक के विकास से हम सब यह मानकर चलते हैं कि खासकर युवा पीढ़ी पुस्तकों से दूर हो रही है। जबकि प्रस्तुत प्रश्न के संदर्भ में 51 प्रतिशत आंकड़े नहीं में प्राप्त होते हैं और सिर्फ 23 प्रतिशत मत हां में जबकि थोड़ा–बहुत के अन्तर्गत 25 प्रतिशत और पता नहीं में केवल 01 प्रतिशत है।

प्रश्न.11. क्या फेसबुक के कारण आप अपने परिवार, मित्र, संबंधी से दूर होते जा रहे हैं। 74 प्रतिशत आंकड़े यह दर्शाते हैं कि तकनीकी सुविधाओं ने जहां एक तरफ हमें वार्तालाप (दृश्य–श्रव्य) और संदेश को आदान–प्रदान करने की सुविधा प्रदान की है वहीं अब इन सुविधाओं ने परिवार के सदस्यों से लंबे समय के अंतराल के बाद मिलने की अनियमितता को प्रभावित किया है। अब लोगों को तकनीकी विकास के कारण जो सुविधाएं मिली है उनका उपभोग करने में अपन समय व्यक्ति कर रहे हैं। वर्चुअल दुनिया में नए ऐसे मित्रों के साथ ऐसे विषयों पर बहस करते हैं जिनका सामाजिक धरातल पर कोई अस्तित्व नहीं होता है। तकनीकी विकास ने उपयोगकर्ताओं को अंतःमुखी और एकांकी दुनिया में समेट लिया है। हां और थोड़ा–बहुत के अन्तर्गत 11, 14 प्रतिशत आंकड़े उक्त प्रश्न के उद्देश्य को प्रभावित करते नजर नहीं आते।

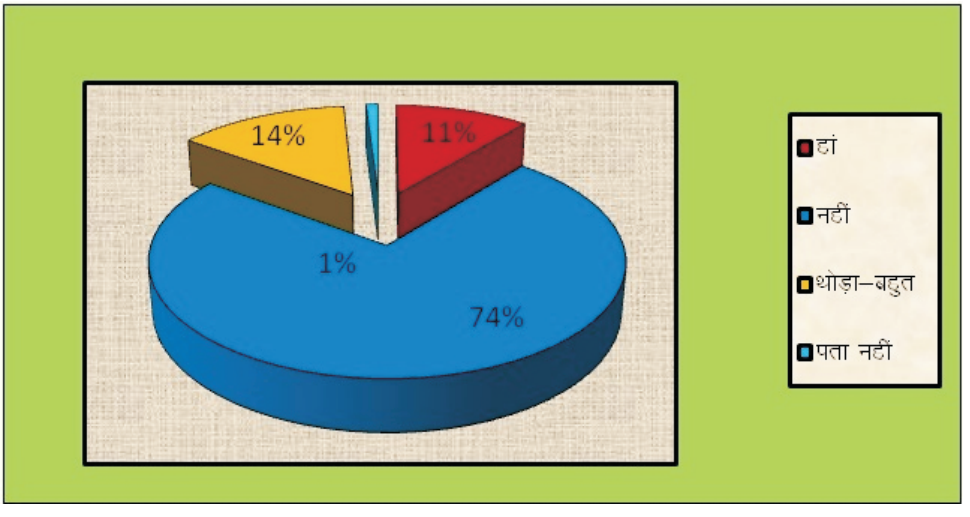

प्रश्न.12. क्या फेसबुक व्यक्तिगत सोच को सामाजिक सोच में परिवर्तित करने में सक्षम है? आंकड़े दर्शाते हैं कि फेसबुक व्यक्तिगत सोच को सामाजिक सोच में परिवर्तित करने में सफल है। 44 प्रतिशत आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं, नहीं के अन्तर्गत 17, थोड़ा–बहुत के अन्तर्गत 36 और पता नहीं के अन्तर्गत 03 प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं। यह मत भी फेसबुक के पक्ष में है।

प्रश्न.13. क्या आपने फेसबुक पर अनैतिक, समाज व कानून विरोधी विषयवस्तु को देखा है? कानून विरोधी विषयवस्तु को देखने वाले विषय में धर्म, जाति आदि की उपेक्षा के अन्तर्गत 28 प्रतिशत मत, हिंसा व द्वेष के उत्प्रेरक विषय संबंधी 20 प्रतिशत, अश्लील विषयक 18, मानहानि/अपमान सूचक 17 प्रतिशत और फेसबुक पर अनैतिक विषयवस्तु न देखने वालों का मत भी 17 प्रतिशत प्राप्त होता है। उक्त प्रश्न के संदर्भ में मिले–जुले आंकड़े प्राप्त होते हैं।

Volume - 6 | Issue - 6 | December - 2016

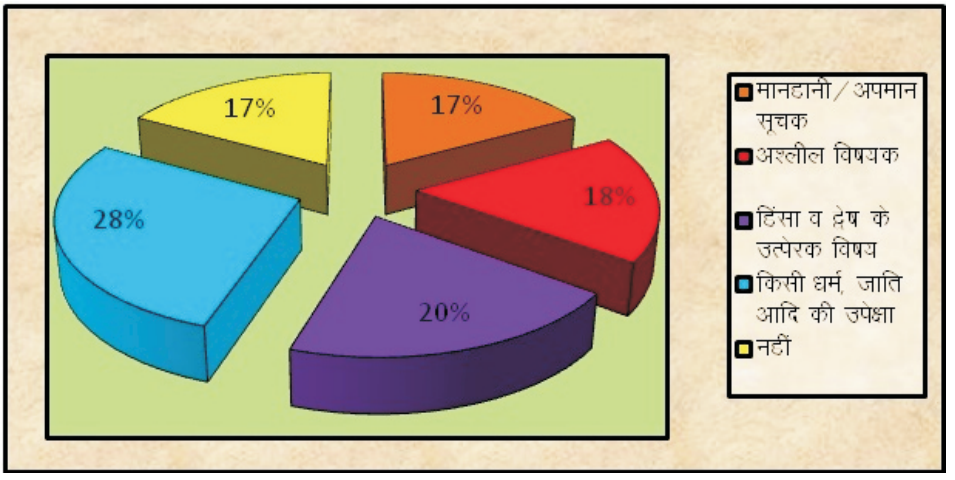

प्रश्न.14. फेसबुक पर किए गए पोस्ट और कमेंट किस प्रकार के होते हैं? 37 प्रतिशत आंकड़े यह दर्शाते हैं कि फेसबुक पर सामान्य कमेंट किए जाते हैं। जबकि 31 प्रतिशत प्रतिभागियों का मत व्यक्तिगत और लोकप्रियता संबंधी है। मनोरंजक और पढ़ने योग्य के अन्तर्गत 15, 14 प्रतिशत ही प्राप्त होता है।

प्रश्न.15. फेसबुक के संबंध में अपने विचार दें:

उक्त प्रश्न के संदर्भ में संबंधित प्रतिभागियों से फेसबुक के संबंध में उनके विचार मांगे गए। प्राप्त विभिन्न प्रतिभागियों के विचारों में से कुछ विचारों को यहां शामिल किया जा रहा है– प्रतिभागियों का मत है कि फेसबुक 21वीं सदी का तकनीकी आधारित अद्भूत अजूबा है। वहीं कुछ प्रतिभागी इसे समाज के लिए हितकारी मानते हैं वहीं कुछ इसे नकारात्मक मानते हैं वहीं कुछ प्रतिभागियों का मत है कि फेसबुक 21वीं सदी में सूचना के आदान–प्रदान का सबसे सशक्त माध्यम है। फेसबुक को प्रतिभागियों ने व्यवसाय से जोड़ते हुए भी महत्वपूर्ण माना, वहीं कुछ प्रतिभागी इसे सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानते हैं। सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन में भी फेसबुक को अहम स्थान प्राप्त होता है। समाज में प्रभाव की दृष्टि से भी फेसबुक महत्वपूर्ण है। युवाओं के लिए फेसबुक सूचना, मनोरंजन के साथ–साथ ज्ञान में वृद्धी करने का माध्यम भी बन गया है। आज युवा पीढ़ी इस माध्यम का भरपूर उपयोग करती नजर आ रही है।

निष्कर्ष:

शोध में उत्तरदाताओं से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार शोध विषय 'फेसबुक उपयोगकर्ता के दायित्व और सीमाएं' (पुरुष उपयोगकर्ता के विशेष संदर्भ में) के संदर्भ में प्राप्त तथ्यों और आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर प्राप्त निष्कर्षों का विवरण इस प्रकार है–

तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि 05 वर्ष से अधिक समय से फेसबुक उपयोगकर्ताओं की संख्या सबसे ज्यादा है। आंकड़ों पर गौर करें तो 39 प्रतिशत लोगों का मानना है कि वे प्रतिदिन 5 घंटे से अधिक फेसबुक का उपयोग करते हैं। भारतीय संदर्भ में बात करें तो यह आंकड़े और भी तेजी के साथ बढ़ेंगे। इससे भविष्य में फेसबुक की उपयोगिता बढ़ेगी।

- भारत में फेसबुक का भविष्य उज्जवल है। आंकड़ों के आधार पर 1 घंटा से कम फेसबुक उपयोग करने वालों की संख्या 52 प्रतिशत है वहीं 5 घंटे ये अधिक समय तक उपयोग करने वालों की संख्या 07 प्रतिशत है। फेसबुक की पहुंच जैसे–जैसे ज्यादा लोगों तक होगी ठीक उसी तरह से फेसबुक उपयोग का प्रतिदिन प्रतिशत और भी बढ़ जाएगा। भारत में फेसबुक उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। आने वाले समय में संचार का यह सबसे सशक्त माध्यम होगा।
- फेसबुक उपयोग करने वाले ज्यादातर उपयोगकर्ता फेसबुक के सामान्य नियम व शर्तों से परिचित हैं। जिससे उनको काम करने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। इससे साफ जाहिर होता है कि फेसबुक एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से हम जानकारी बढ़ाने के साथ–साथ अपनी व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को दूसरों के सामने परोस रहे हैं। व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के संदर्भ में यह भी देखने में आया है कि उपयोगकर्ता अपने मनमाने और भ्रमित विचारों को प्रसारित–प्रचारित करने और उस पर मित्रों की मनचाही प्रतिक्रिया लेने का प्रयास करते रहते हैं।
- फेसबुक सामाजिक मुद्दों पर जनमत बनाने में सक्षम है लेकिन आंकड़े यह दर्शाते हैं कि फेसबुक सामाजिक मुद्दों पर जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा नहीं करता है। वे केवल इसे कुछ हद तक राय बनाने की भूमिका तक मानते हैं। वर्तमान समय में फेसबुक पर ज्यादातर सूचनाओं का आदान–प्रदान किया जा रहा है। जिससे सूचनाओं में पारदर्शिता आ रही है।
- फेसबुक यूजर यह मानते हैं कि फेसबुक की उपयोगिता सूचना प्राप्त करने और विचारों के आदान–प्रदान के लिए है वहीं कुछ लोग इसे जनसंपर्क, मित्रों से चैट और कैरियर लाभ की दृष्टि से भी देखते हैं। ज्यादातर युवा फेसबुक के माध्यम से अपने कैरियर को भी आगे बढ़ा रहे हैं। फेसबुक विचारों के आदान–प्रदान में क्रांति लाने का काम कर रहा है। आज सूचना क्रांति को विस्तार रूप देने में कहीं न कहीं फेसबुक का महत्वपूर्ण योगदान है।
- फेसबुक के युग को सूचना युग कहा जाय तो गलत नहीं होगा। फेसबुक के माध्यम से आमजन सामाजिक मुद्दों से भी अवगत हो रहे हैं। तथ्यों पर गौर करें तो 56 प्रतिशत मत सामाजिक मुद्दों से अवगत कराने के पक्ष में जाता है। वर्तमान समय में फेसबुक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में सशक्त भूमिका अदा कर रहा है।
- युवाओं के संदर्भ में प्राप्त तथ्य यह दर्शाते हैं कि तकनीक के विकास और फेसबुक के उपयोग के बावजूद भी वे किताबों से दूर नहीं हो रहे हैं। इससे यह साफ होता है कि आज के युवा तकनीक को भी साथ लेकर चल रहे हैं।
- फेसबुक ने संदेश आदान–प्रदान की सबसे आसान सुविधा प्रदान की है। इसके माध्यम से आप नए–नए मित्र बना सकते हैं और उन्हें संदेश भी प्रेषित कर सकते हैं। लेकिन दूसरी तरफ नए मित्र बनाने के साथ पुराने मित्रों और सगे–संबंधियों को छोड़ते जा रहे हैं। 74 प्रतिशत प्रतिभागियों

का मानना है कि फेसबुक के कारण वे अपने परिवार, मित्र व संबंधियों से दूर होते जा रहे हैं।

- फेसबुक उपयोग करने वाले ज्यादातर लोग यह मानते हैं कि फेसबुक व्यक्तिगत सोच को सामाजिक सोच में परिवर्तित करने में भी सक्षम है।
- फेसबुक पर अनैतिक, समाज व कानून विरोधी विषयवस्तु को ज्यादातर लोग देखते हैं। कुछ लोग इसे धर्म, जाति की उपेक्षा तो कुछ लोग इसे अश्लीलता और मानहानि के रूप में देखते हैं।
- फेसबुक पर किए गए ज्यादातर कमेंट अपने समूह के बीच में अपनी पहचान बनाने के लिए करते हैं वहीं कुछ नकारात्मक कमेंट सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए और लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए किए जाते हैं।

सुझावः

- शोध विषय 'फेसबुक का उपयोग, दायित्व और सीमाएं' (पुरुष उपयोगकर्ता के विशेष संदर्भ में) के संदर्भ में निम्न सुझाव दिए जा सकते हैं–
- फेसबुक सूचना आदान–प्रदान करने का संचार का सशक्त एवं महत्वपूर्ण नवीन संचार माध्यम है। इसलिए फेसबुक का उपयोग समाज के बेहतर निर्माण हेतु करें।
- फेसबुक लोगों में सामाजिक जागरूकता ला रहा है। इसके उपयोग से आज लोग नवीन और महत्वपूर्ण सूचनाओं को आपस में शेयर कर रहे हैं।
- फेसबुक सूचना क्रांति के साथ–साथ सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। अतः इस माध्यम की शक्ति को पहचानते हुए हमें इसके उपयोग साकारात्मक दिशा में करने होंगे।
- फेसबुक अध्ययन–अध्यापन में विषयों की जानकारी आपस में शेयर करने के लिए भी उपयोग में लाया जा रहा है। इसके उपयोग में सावधानी के साथ–साथ इसपर निर्भरता संतुलित होनी चाहिए।
- फेसबुक पर समुह में मित्र बनाने और संपर्क बढ़ाते समय उसकी पहचान की समस्या हमेशा बनी रहती है। इस कारण व्यक्तिगत और गोपनियता संबंधी विचारों के आदान–प्रदान में सावधानी बरतें।
- इस नवीन संचार माध्यम ने वर्षों से घर में कैद महिलाओं को वैश्विक पटल पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना आरंभ कर दिया है। इसका श्रेय कुछ हद तक फेसबुक को जाता है। सामाजिक परिवर्तन के लिए महिलाओं का तकनीकी रूप से सक्षम होना आवश्यक होगा।
- फेसबुक के बढ़ते उपयोग, महत्व और निर्भरता को संतुलित करने की आवश्यकता है। क्योंकि भविष्य में व्यवसायिक दृष्टिकोण को नजर में रखते हुए इसके उपयोग महंगे हो सकते हैं। ऐसे में अतिनिर्भरता नुकसानदायक हो सकती है।

शोध की उपयोगिता एवं भविष्य में शोधः

प्रस्तुत शोध विषय 'फेसबुक उपयोगकर्ता के दायित्व और सीमाएं' (पुरुष उपयोगकर्ता के विशेष संदर्भ में) के माध्यम से वर्तमान समय में फेसबुक की उपयोगिता, प्रभाव, दायित्व, सीमाएं और उसके महत्व को रेखांकित किया गया है। शोध के माध्यम से यह विस्तारित करने का प्रयास किया गया है कि वर्तमान समय में फेसबुक उपयोग से उपयोगकर्ता में किस तरह का बदलाव आ रहा है।

यह अध्ययन फेसबुक के प्रचार–प्रसार को बढ़ाने में सहायक हो सकता है। अध्ययन में अनेक ऐसे निष्कर्ष एवं सुझाव दिए गए हैं जिनके आधार पर फेसबुक के भविष्य की दिशा तय की जा सकती है। अध्ययन में फेसबुक उपयोगकर्ता को फेसबुक के संबंध में विविध प्रकार की जानकारियों से अवगत कराया गया है।

सहायक संदर्भ सूचीः

- चॉमस्की नोम, जनमाध्यमों का मायालोक, प्रकाशक– ग्रंथ शिल्पी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली।
- जोशी पूरनचंद्र, संस्कृति विकास और संचार क्रांति, प्रकाशक– ग्रंथ शिल्पी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली।
- प्रसाद मनोहर मुरली, संचार माध्यम और पूंजीवादी समाज, प्रकाशक– ग्रंथ शिल्पी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली।
- कुमार सुरेश, इंटरनेट पत्रकारिता, प्रकाशक– तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
- पारख जवरीमल, जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य, प्रकाशक– ग्रंथ शिल्पी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली।
- Issar Devendra,'Communication Mass Media and Development', Unique Publication, Delhi.
- Syed M.H. Encyclopedia of Modern Journalism and Mass Media, Anmol Publication, New Delhi, 2005.
- Kumar Keval J, 'Mass Communication in India', Jaico Publishing House, India.
- Bhaduri Amit, 'Development with Dignity', National Book Trust, New Delhi.
- Hargreaves Ian, 'Journalism', Oxford University Press.
- Joshi P C, Communication and National Development, Anamika Publishers & Distributors (P) Ltd., 2002, New Delhi 110002, India.
- Hill Chistopher, The Century of Revelution, 2002, Routledge publication, New York.
- Potter, W James, Media Literacy, 2011, Sage publication, New Delhi.
- Day Louis Alvin, Media Communication Ethics, 2006, Cengage Learning India Private Limited, Delhi 100092, India.
- Lister Martin, Jon Dovey and others, New Media : A Critical Introduction, 2009, Routledge publication, New York.

पत्रिका संदर्भः

- Media Mimansa, Publisher- MCNMC University, Bhopal, Madhya Pradesh.
- Lensight, Publisher- Film and Television Institute of India, Pune.
- Communication Today, Publisher- Prof. Dr. Sanjeev Bhanawat, Jaipur, Rajshthan.

• Media Vimarsh, Publisher/Editor- Dr. S Singh, Raipur, Chhattisgarh.
रिपोर्ट:
• UNESCO Global Study On Media Violence.
• Deloitte, facebook's global economic impact- A reports for facebook, January 2015.
बेवसाइट संदर्भ:
1. www.facebook.com
2. https://en.wikipedia.org/wiki/Facebook
3. www.wikipedia.org/wiki/social/media
4. www.wikipedia.org/wiki/social/impact
5. http://www.ftiindia.com/hindisite/index.html
6. www.socialbakers.com
7. www.oup.com
8. http://mediavimarshindia.blogspot.in/
9. www.wikipedia.org/wiki/social/change
10.www.social media dictionary.com/definition
11.http://www.deloitte.com
12.www.countercurrents.org
फोटो संदर्भ:
1.https://en.wikipedia.org/wiki/Facebook#/media/File:Thefacebook.png.
2.https://en.wikipedia.org/wiki/Facebook#/media/File:MarkZuckerberg-crop.jpg.
3.https://en.wikipedia.org/wiki/Facebook#/media/File:Facebook_New_Logo_(2015).svg.
4.http://www.google.co.in/imgres?imgurl=http://mom.girlstalkinsmack.com/image/062012/The%252520Facebook%252520Effect_2.jpg&imgrefurl=http://mom.girlstalkinsmack.com/family/the-facebook-effect---how-can-you-protect-your-tween-on-social-networks-.aspx&h=417&w=522&tbnid=m-PsvbhWQqWMrM:&docid=YEzRkVObzDhuM&hl=-
5.http://www.google.co.in/imgres?imgurl=http://tommytoy.typepad.com/.a/6a0133f3a4072c970b0154346ac951970c-500wi&imgrefurl=http://tommytoy.typepad.com/tommy-toy-pbt-consultin/2011/08/university-research-studies-confirm-harmful-effects-of-excessive-texting-and-social-media-on-teen-be.html&h=467&w=500&tbnid=NFaNF-SyboEycM:&docid=JKUtDBgz3TrNoM&hl=en&ei=vtU0VpGtIoGyjwPahryYBQ&tbm=isch&ved=0CDAQMygtMC04ZGoVChMIkYTsk_vsyAIVAdljCh1aAw9T
6.http://www.google.co.in/imgres?imgurl=http://images.huffingtonpost.com/2007-08-13NewsweekFacebook.JPG&imgrefurl=http://www.huffingtonpost.com/2007/08/13/newsweek-writes-of-sorta-_n_60253.html&h=522&w=400&tbnid=T-vU9L-JS1xuyM:&docid=1iQezOpUwobhOM&hl=en&ei=XdU0VpXaJIzujwOR1rvoBQ&tbm=isch&ved=0CFIQMygmMCZqFQoTCNX8zeX67MgCFQz3YwodEesOXQ
7.http://www.google.co.in/imgres?imgurl=http://www.mdgadvertising.com/blog/wpcontent/uploads/2013/06/image.jpg&imgrefurl=http://democracyspot.net/2013/09/&h=256&w=475&tbnid=s35dPArSwWUk9M:&docid=92JWIDJAV27FbM&hl=en&ei=WdY0VojzFouIjwPy5rmgBw&tbm=isch&ved=0CE8QMyhMMEw49ANqFQoTCMiD1d377MgCFQvEYwodcnMOdA
8.http://www.google.co.in/imgres?imgurl=https://evolutionofreason.files.wordpress.com/2012/12/facebook-effect-relationship-computer-294x300.jpg&imgrefurl=https://evolutionofreason.wordpress.com/2012/12/13/social-networking-millions-of-heartbreaks-served/&h=300&w=294&tbnid=WCTBbrjSJ0UH3M:&docid=eVAmKDNqMVNcQM&hl=en&ei=XdU0VpXaJIzujwOR1rvoBQ&tbm=isch&ved=0CFkQMygtMC1qFQoTCNX8zeX67MgCFQz3YwodEesOXQ
9.http://www.google.co.in/imgres?imgurl=https://advocacy.globalvoicesonline.org/wp-content/uploads/2015/09/Screen-shot-2015-09-03-at-5.23.29-PM.png&imgrefurl=https://advox.globalvoices.org/2015/09/03/netizen-report-egypt-tests-new-terror-law-on-facebook-users/&h=563&w=796&tbnid=qbtABaZe_uqwCM:&docid=y1dsqLyiHwcFWM&hl=en&ei=N9s0VpDkDtLCjwOOuY24Dg&tbm=isch&ved=0CCwQMygRMBFqFQoTCNDb3q-A7cgCFVLhYwodjlwD5w

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- ✶ International Scientific Journal Consortium
- ✶ OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.org